

धोरण : 9

हिन्दी

१५. दाज्यू

स्वाध्याय

प्रश्न 1. सही विकल्प चुनकर उत्तर लिखिए :

(1) मदन का गाँव किस पहाड़ी क्षेत्र में था?

(अ) मसूरी

(ब) शिमला

(क) दार्जिलिंग

(ड) अल्मोड़ा

(2) कहानी के अंत में नए ग्राहक हेमंत को मदन ने अपना नाम क्या बताया?

(अ) मदन

(ब) पहाड़ी

(क) बॉय

(ड) बेयश

प्रश्न 2. निम्नलिखित प्रश्नों के एक-एक वाक्य में उत्तर दीजिए :

(1) मदन का गाँव किस पहाड़ी क्षेत्र में था?

➤ **मदन का गाँव अल्मोड़ा के पहाड़ी क्षेत्र में था।**

(2) नए ग्राहक हेमंत को मदन ने अपना नाम क्या बताया?

➤ **नए ग्राहक हेमंत को मदन ने अपना नाम 'बाँय' बताया।**

(3) जगदीशबाबू के व्यवहार से मदन को चोट क्यों लगी?

➤ **जगदीशबाबू के व्यवहार से मदन को चोट पहुँची, क्योंकि अपने प्रति उसके अपनत्व पर प्रहार किया था।**

प्रश्न 3. निम्नलिखित प्रश्नों के सविस्तार उत्तर दीजिए :

(1) जगदीशबाबू को पहले-पहले नए शहर आकर कैसा लगता था?

➤ जगदीशबाबू अपने गाँव से बहुत दूर के शहर में आए थे। वे अकेले थे। यहाँ का वातावरण उनके गाँव के वातावरण से बिल्कुल भिन्न था। गाँव में यहाँ के चौक जैसी चहलपहल नहीं थी। वहाँ कैफे के जैसा शोरगुल नहीं था। उन्हें लगता था जैसे वे अपनेपन की सीमा से बहुत दूर आ गए हैं। इस तरह जगदीशबाबू को पहले-पहले नए शहर में आकर बहुत अकेलापन लगता था।

(2) प्रारंभ में जगदीशबाबू का व्यवहार मदन के प्रति कैसा था?

➤ कैफे में मदन से परिचय होने पर जगदीशबाबू इस नए शहर में अपना अकेलापन भूल गए थे। दो-चार दिनों में मदन उन्हें 'दाज्यू' कहकर पुकारता और वे भी उससे स्नेह से पेश आते। उन दोनों में मौसम संबंधी बातें होतीं। मदन उनसे उनके कम खाने की शिकायत करता। मदन को वे अपने दाज्यू जैसे ही लगते थे। इस तरह प्रारंभ में जगदीशबाबू का मदन के प्रति व्यवहार बहुत स्नेहपूर्ण और अपनत्व से भरा-भरा था।

(3) जगदीशबाबू ने मदन को 'दाज्यू' कहने पर क्यों डाँटा?

➤ आरंभ में मदन को अपने क्षेत्र का लड़का समझकर जगदीशबाबू को बहुत अच्छा लगा था। वह उन्हें 'दाज्यू' कहकर संबोधित करता था। लेकिन आखिरकार मदन कैफे का एक 'बॉय' था, जब कि जगदीशबाबू मध्यमवर्ग के एक प्रतिष्ठित व्यक्ति थे। मदन कैफे में सबके सामने उन्हें 'दाज्यू' कहता था। यह जगदीशबाबू को पसंद नहीं आया। इससे उनकी प्रतिष्ठा को धक्का पहुँचता था। इसलिए उन्होंने 'दाज्यू' कहने पर मदन को डाँटा।

(4) 'दाज्यू' कहानी में बाल-मन की संवेदना का मार्मिक चित्रण हुआ है- समझाइए।

➤ 'दाज्यू' कहानी का मुख्य पात्र मदन नौ-दस वर्ष का बाल-मजदूर है। कैफे में आए जगदीशबाबू से परिचय होने पर उसे बहुत खुशी हुई थी। वे उसके गाँव के पड़ोसी गाँव के थे जहाँ बड़े भाई को 'दाज्यू' कहते हैं। कोमल मन के मदन को ऐसा लगा था जैसे उसे उसका बड़ा भाई ही मिल गया हो। दोनों के संबंध में बड़ी निकटता आ गई थी।

➤ लेकिन एक दिन 'दाज्यू' कहने पर जब जगदीशबाबू ने उसे डाँटा तो उसके कोमल मन पर गहरी चोट लगी। जिसे वह 'बड़ा भाई' मानता था, उसका बुरी तरह डाँटना वह सहन न कर सका। मैनेजर से सिरदर्द का बहाना करके वह सिसकियाँ भर-भरके रोया। इसके बाद जगदीशबाबू उसके 'दाज्यू' नहीं रहे। वह उनके लिए सिर्फ 'बॉय' रह गया।

THANKS



FOR WATCHING